डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

" योगश्चित्तवृत्ति निरोधः "

बी. एन. वाई . एस.

(BACHELOR OF YOGIC AND NATUROPATHY SCIENCE)

उपाधि हेतु

O . (i) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालयों के न्यूनतम मानक

(संदर्भ - राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय अधिनियम **2002** का भाग - **1**, **2**, **6**, **16**(**3**)(**4**), **35**, **36**, **37**, **38**, **39**, **40** एवं **41**)

1. परिभाषाएं -

(i) **'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति'** से अभिप्रेत है कि अष्टांग योग एवं प्राकृतिक पद्धतियों से अद्रव्यभूत प्राकृतिक द्रव्यों एवं क्रियाओं के द्वारा प्राण ऊर्जा का संवर्द्धन करना तथा स्वास्थ्य रक्षापूर्वक रोगनिर्हरण उपायों का अवलम्बन ऐसे आधुनिक अभिवर्द्धनों द्वारा अनुपूरित करना जो भारतीय पद्धति के मौलिक सिद्धान्तों से संगत हों और जिन्हें विश्वविद्यालय समय-समय पर अवधारित करे।

(ii) **'महाविद्यालय'** से ऐसा महाविद्यालय अभिप्रेत है जो **'बी.एन.वाई.एस.'** पाठ्यक्रम की शिक्षा देता हो तथा जहां योग एवं प्राकृतिक पद्धति का चिकित्सालय संस्थापित हो।

(iii) **'चिकित्सालय'** से योग एवं प्राकृतिक पद्धति का चिकित्सा केन्द्र जहां न्यूनतम **40** आतुर शैय्याओं युक्त अन्तरंग एवं बाह्य आतुरों के लिये बहिरंग विभाग अभिप्रेत है।

(iv) **'न्यूनतम मानक'** योग एवं प्राकृतिक पद्धति के महाविद्यालय के संचालन हेतु वांछित न्यूनतम संसाधन अभिप्रेत है।

(v) यह कि ये मानक केन्द्र में **'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्'** की स्थापना के पूर्व तक के लिये होंगे और केन्द्र में किसी ऐसी शीर्ष संस्था जो ''योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति'' के लिये गठित एवं अधिकृत की गयी हो के अनुरूप इन मानको को समय-समय पर संशोधित/परिवर्द्धित किया जायेगा।

2. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालय हेतु वांछित न्यूनतम मानक –

(i) राज्य में स्थापित प्रन्यास/संस्था का विधिवत् पंजीयन प्रमाण पत्र।

(ii) संस्था/प्रन्यास प्रबन्धक सदस्यों के नाम, पद एवं पतों का विवरण।

(iii) संस्था/प्रन्यास का संविधान।

(iv) राज्य सरकार द्वारा स्थापित किये जाने वाले महाविद्यालय।

(v) राज्य सरकार द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र।

(vi) आयुष विभाग द्वारा स्वीकृति पत्र, यदि आवश्यक हो।

(vii) आर्थिक प्रबन्ध –

(1) विश्वविद्यालय एवं संस्था के संयुक्त नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में **5** वर्ष की अवधि के लिये **10** लाख रूपये की सावधि जमा पत्र (एफ. डी. आर.) एवं **35-00** लाख रुपये की बैंक गारन्टी।

(2) पिछले तीन वर्ष का अंकेक्षण युक्त आय–व्यय विवरण प्रपत्र की प्रति।

(viii) भूमि एवं भवन –

(1) न्यूनतम **2** एकड़ भूमि का पट्टा/अभिलेख जो संस्था के स्वामित्व की हो अथवा दीर्घावधि लीज (**19** वर्ष न्यूनतम) पर ली गई हो, भूमि के पंजीयन अनुबन्ध पत्र की प्रमाणित प्रति।

(2) शहरी क्षेत्र में उचित दूरी पर दो भू–खण्डों में **2** एकड़ भूमि का स्वामित्व होने पर भी मान्य किया जा सकेगा।

(3) न्यूनतम **40** शैय्याओं का चिकित्सालय, **60** छात्रों के लिये।

(4) योग क्रियाओं हेतु हॉल, न्यूनतम **60** वर्गमीटर क्षेत्रफल का।

(5) बीस हजार स्क्वैयर फीट में निर्मित भवन।

(6) कुल छात्र संख्या के **50** प्रतिशत छात्रों के लिये छात्रावास सुविधा (छात्राओं के लिये पृथक्)

(7) विषय सम्बन्धित न्यूनतम एक हजार पुस्तकों युक्त पुस्तकालय एवं वाचनालय।

(8) छात्रों के शिक्षण हेतु पर्याप्त कक्षा कक्ष।

(9) प्रयोगशाला कक्ष – जिसमें विकृति विज्ञानीय परीक्षणों की सुविधा हो तथा शरीर रचना एवं क्रिया के लिए पृथक प्रयोगशाला एवं प्रदर्शनालय।

(10) योग प्राकृतिक क्रियाएं – नेति, बस्ति, धौति आदि क्रियाओं के कक्ष योग हॉल सह सन्नद्ध होंगे।

(11) प्राकृतिक पद्धति के लिये – मृत्तिका, स्वेदन, अभ्यंग, जल चिकित्सा, कटि मेहनादि स्नान के लिये सुविधायुक्त कक्ष चिकित्सालय के साथ स्थापित किये गये हों।

(12) महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सर्वविध प्रदूषण रहित शान्त एवं प्राकृतिक वातावरण में स्थापित होना चाहिए, जहां कि आवागमन के समुचित साधन उपलब्ध हों।

(13) चिकित्सालय में पुरूष एवं महिलाओं के पृथक्–पृथक् वार्ड होंगे।

(ix) शुल्क – विश्वविद्यालय के सक्षम निकाय तय करें अथवा बी.ए.एम.एस. के अनुसार लागू करें।

आवेदन शुल्क –

सम्बद्धता शुल्क –

निरीक्षण शुल्क –

छात्र शुल्क –

बैंक प्रत्याभूति – महाविद्यालय

चिकित्सालय

(x) शैक्षणिक स्टाफ –

क्र. सं.	विषय विभाग	आचार्य	सह आचार्य	प्राध्यापक
1	दर्शन, संहिता, सिद्धान्त (संस्कृत-शिक्षा)	**1**	**1**	**1 + 1**
2	शरीर रचना / क्रिया शरीर/ जैव रासायनिक विज्ञान	**1**	**1**	**1**
			1	**1+1**
3	रोग एवं विकृति विज्ञान/ **Microbiology**	**1**	**1**	**1+1**
4	स्वस्थवृत्त, आहार एवं पोषण विज्ञान, आहार द्रव्य	**1**	**1**	**1+1 द्रव्यगुण**
5	योग विज्ञान एवं मनोविज्ञान	**1**	**1**	**1+1**
6	प्राकृतिक विज्ञान	**1**	**1**	**1+1**

(ix) शिक्षकों की योग्यता –

(1) **प्राचार्य** – भारतीय चिकित्सा पद्धति में बी.एन.वाई.एस./बी.ए.एम.एस.,एम.डी. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि के साथ न्यूनतम **10** वर्षों का अध्यापन अनुभव। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में बी.एन. वाई.एस. उपाधि सह बारह वर्ष का अध्यापन अनुभव।

(2) **आचार्य** – प्राध्यापक की शैक्षणिक योग्यता के साथ आठ वर्ष का अध्यापनानुभव।

(3) **सह आचार्य** – प्राध्यापक की शैक्षणिक योग्यता सह पांच वर्ष का प्राध्यापक पद का अध्यापनानुभव।

(4) **प्राध्यापक** – बी.एन.वाई.एस./बी.ए.एम.एस.किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यदि बी.एन.वाई. एस/ बी.ए.एम.एस. के साथ एम.डी.डिग्री धारक उपलब्ध है तो उसे प्राथमिकता/वरीयता प्रदान की जायेगी।

(5) पाठ्यविषयों की पूर्णता के लिये संदर्भित विषयों के व्याख्यान एवं प्रायोगिक अन्तर्विषयक अध्यापन विधि द्वारा सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान, संविदा/अनुबंध आधार पर कराये जा सकेंगे।

(x) शैक्षणेत्तर कर्मचारी –

क्र.सं.	पद	40 बेड	80 बेड
1	चिकित्सक	-	-
2	परिचारक	**8**	**16**
3	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	-	-
4	पेथोलोजिस्ट	**On contract**	
5	लेब टेक्नीशियन	**2**	-

6	वरिष्ठ लिपिक	**2**	**2**
7	कनिष्ठ लिपिक	**4**	**4**
8	लेखा सहायक	**1**	**1**
9	पाचक	**2**	**4**
10	सहायक स्टाफ	**8**	**10**
11	चौकीदार	**4**	**6**
12	माली	**2**	**2**

(xi) यंत्र उपकरण –

1	छात्र एवं स्टाफ के लिये पर्याप्त मात्रा में फर्नीचर	
2	रोगी पलंग	**40**
3	केबिनेट (रोगी)	**40**
4	मेट्रेसेज (गद्दे)	**40**
5	कंबल	**40**
6	तकिये	**40** (कवर - **65**)
7	चद्दर	**40**
8	अलमारी	यथावश्यक
9	सिट बाथ टब	**5** बड़ी **5** मध्यम **5** छोटी
10	फुल इमर्सन बाथ टब	**10**
11	फुट बाथ टब	**8**
12	भाप स्नान बॉक्स	**2**
13	वाइब्रेटर्स	**4**
14	सस्पेंशन बेड पुली सहित	**2**
15	बेल्ट मसाज मशीन	**2**
16	बार सेट (**5** मीटर)	**2**
17	मेग्नेटिक सेट	
18	मेग्नेटिक बेल्ट	
19	Hip Bath	**10**
20	Spinal Bath	**8**
21	रंगीन कांच सेट	
22	रंगीन बॉटल सेट	
23	सन फ्लो (हीटर)	
24	रोलर मसाजर	
25	शॉल्डर व्हील	
26	रॉइंग मशीन	
27	टमी टॉनर	
28	टमी ट्विस्टर	
29	क्वार्डिशेप टेबल	

30	थर्मोलियम	
31	हाइड्रोक्यूलेटर	
32	स्टेंडिग टेबल	
33	जार (ग्लास)	
34	वाटर डिस्टलर	
35	फ्रिज **200** लीटर	
36	वेइंग मशीन (**200** किलो)	
37	दरी (मेट)	
38	दरियां (छोटी)	**20**
39	स्टॉप क्लॉक	**2**
40	अभ्यंग टेबल	**2**
41	काष्ट के पात्र (मृत्तिका चिकित्सा)	
42	ट्रेडमिल	
43	फुट टब	
44	जल नेति लोटा	**20**
45	वस्त्र धौति	**50**
46	सूत्रनेति	**50**
47	दरी (आसन)	**30**
48	जग स्टील	**30**
49	टोकरियां	**4**
50	धौति पॉट	**30**
51	स्टील ग्लॉस	**30**
52	हॉट वाटर टब	**2**
53	रचना क्रिया के मॉडल एवं चार्ट्स	
54	ब्लेक बोर्ड (कक्षानुसार)	
55	ओवर हेड प्रोजेक्टर	
56	कम्प्यूटर	**2**
57	एल. सी. डी. प्रोजेक्टर	**1**
58	जेट बाथ	
59	डूश यूनिट	
60	अण्डर वाटर मसाज	**2**
61	अल्ट्रा साउंड, आई.एफ.टी., शॉट वेव डायथर्मी, ट्रेक्शन यूनिट इन्फ्रारेड लेंप, इलेक्ट्रोमेग्नेटिक बेड	
62	नेबुलाइजर	
63	पी.ए. सिस्टम - म्यूजिक सिस्टम एवं डी.वी.डी.	
64	वाटर कूलर - (जलशोधक यंत्र सहित) आर ओ सिस्टम	
65	गर्म पानी की सुविधा (**24** घंटे)	

प्राकृतिक चिकित्सा एवं यौगिक विज्ञान स्नातक
(बी.एन.वाई.एस.)
"Bachelor of Yogic and Naturopathy Sciences"

1 –

(i) स्वास्थ्य संरक्षा के क्षेत्र में प्राकृतिक एवं योग पद्धति में प्रशिक्षित एवं योग्य स्नातकों का निर्माण किया जाना। ''भारतीय विज्ञान की प्राकृतिक एव योग विधाओं का जनस्वास्थ्य–संरक्षण एवं रोग–निवारण में उपयोगिता का प्रचार–प्रसार करना ''

(ii) **पाठ्यक्रम अवधि –**

(।) मुख्य पाठ्यक्रम $4^{1/2}$ वर्ष

(ढ) परीक्षोपरान्त प्रशिक्षण 1 वर्ष

पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने के उपरान्त प्रदत्त उपाधि :

बी.एन.वाई.एस.(Bachelor of Yogic and Naturopathy Science)

(iii) **न्यूनतम प्रवेश संख्या –**

सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष प्रथम वर्ष में 60 छात्रों को प्रवेश दिया जा सकेगा। आरक्षण प्रावधान राज्य सरकार के निर्धारित नियमानुरूप होगा, आरक्षित वर्ग के छात्र–छात्राओं के स्थान रिक्त रह जाने पर सामान्य वर्ग से प्रवेश दिये जा सकेंगे।

2 – **मुख्य पाठ्यक्रम –** प्रतिवर्ष वर्ष में दो बार जून एवं दिसम्बर माह में अग्रलिखित परीक्षाऐं आयोजित की जावेगी–

– प्रथम बी. एन. वाई.एस. परीक्षा
– द्वितीय बी. एन. वाई.एस. परीक्षा
– तृतीय बी. एन. वाई.एस. परीक्षा
– चतुर्थ बी. एन. वाई.एस. परीक्षा

3 – **प्रवेश योग्यता –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अथवा अन्य किसी सरकारी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 (सीनियर सैकेण्ड्री) विज्ञान (फिजिक्स,केमिस्ट्री,बायलॉजी) परीक्षा या तत्सम परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र प्रवेश हेतु पात्र होंगे। प्रवेश मेरिट अथवा प्रवेश परीक्षा (NEET) में प्राप्त वरीयता द्वारा दिये जा सकेंगे।

4 – प्रथम वर्ष बी. एन. वाई.एस. में प्रविष्ट छात्र एक वर्ष/सत्र तक सम्बद्ध महाविद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित रहने पर प्रथम बी. एन. वाई.एस. के लिये पात्र होगा। इसी प्रकार क्रमशः प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण छात्र द्वितीय वर्ष में, द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण छात्र तृतीय वर्ष में, तृतीय वर्ष में उत्तीर्ण छात्र अंतिम वर्ष बी.एन.वाई.एस. में प्रवेश के लिये पात्र होगा।

5 – यदि कोई छात्र दो विषयों में अनुत्तीर्ण रहता है तो वह अग्रिम कक्षा में अस्थाई प्रवेश प्राप्त कर सकेगा, किन्तु अनुत्तीर्ण विषयों की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के बाद ही अग्रिम वर्ष की परीक्षा के लिये पात्र हो सकेगा। तीन अथवा तीन से अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र अग्रिम कक्षा में अस्थाई प्रवेश के लिये भी पात्र नहीं होगा।

6 – किसी भी कक्षा की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण छात्र को दो पूरक अवसर प्रदान किये जायेंगें, इसके पश्चात् विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्र अगली कक्षा में प्रवेश ले सकेगा।

7 – **(i) इन्टर्नशिप (परीक्षोपरान्त प्रशिक्षण) –** अंतिम वर्ष बी.एन.वाई.एस. परीक्षा सभी विषयों में उत्तीर्ण छात्र एक वर्ष का परीक्षोपरान्त प्रशिक्षण (Internship) विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से किये जाने का पात्र होगा। मान्यता प्राप्त संस्थान के प्राचार्य द्वारा संतोषप्रद रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर लिये जाने का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर ही ''बी.एन.वाई.एस.'' उपाधि प्राप्त किये जाने का पात्र होगा।

(ii) एक वर्ष का परीक्षोपरान्त प्रशिक्षण योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालयों तथा आधुनिक चिकित्सा पद्यति के चिकित्सालयों में प्रविष्ट आतुरों पर प्राप्त करेगा –

Manipulative therapy
Chromo therapy & Magetotherapy
Acupuncture
Nutrition & Dietetics
Diagnostic Methods
(Naturopathy Diagnosis
conventional medicine Firstaid and Emergency)
Obstetrics & Gynecology
Physiotherapy
Hydrotherapy
Yog Therapy
Social & Preventive Medicine

इस अवधि में उपचार पद्धतियों के प्रशिक्षण के साथ–साथ आतुरालयीय प्रबन्धक, रोगी रोग परीक्षण विधियां, वैयक्तिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य प्रबन्धन सह आहार एवं पोषण की विधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

8 – परीक्षा, प्रश्नपत्र एवं प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी भाषा रहेगी। संदर्भ संस्कृत एवं अंग्रेजी में दिये जा सकेंगे।

9 – पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना –

बी.एन.वाई.एस. पाठ्यक्रम में प्रविष्ट प्रत्येक छात्र का निम्नांकित विषयों में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा –

- प्रथम बी.एन.वाई.एस. परीक्षा – 01–01. शरीर रचना
  01–02. शरीर क्रिया
  01–03. प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन
  01–04. योग के आधारभूत सिद्वांत
  01–05. जैव रासायनिक विज्ञान
  01–06. संस्कृत

- द्वितीय बी.एन.वाई.एस. परीक्षा 02–01.विकृति विज्ञान
  02–02.सूक्ष्म जीव विज्ञान
  02–03.योग दर्शन
  02–04.वर्ण एवं चुम्बक चिकित्सा
  02–05.सामुदायिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
  02–06.मौलिक फार्माकालोजी एवं द्रव्य गुण विज्ञान

- तृतीय बी.एन.वाई.एस. परीक्षा – 03–01. मैनुपुलेटिव थेरेपी
  03–02. एक्युपंक्चर,एक्युप्रेशर एवं रिफ्लेक्सोलॉजी
  03–03 योग एवं इसके प्रयोग
  03–04. क्लीनिकल डायग्नोसिस
  03–05. फोरेन्सिक मेडीसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी
  04–06 उपवास चिकित्सा, पोषण एवं पथ्य विज्ञान

- चतुर्थ बी.एन.वाई.एस.परीक्षा – 04–01.फिजिकल मेडीसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन
  04–02.जल एवं मृदा चिकित्सा
  04–03.प्रसूति एवं स्त्री रोग चिकित्सा
  04–04. योग चिकित्सा
  04–05. चिकित्सालय प्रबंधन, अनुसंधान विधियां एवं मेडीकल स्टेटिक्स
  04–06. व्यावाहारिक प्राकृतिक चिकित्सा

10 – किसी भी विषय में अधिकतम अंकों में से 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर विशेष योग्यता सम्बन्धित विषय में दी जावेगी, किन्तु, विशेष योग्यता प्रथम प्रयास में मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को ही दी जा सकेगी।

11 – प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र परीक्षा की समयावधि 3 घंटा रहेगी।

(i) न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में पृथक पृथक आवश्यक रूप से प्राप्त करने पर ही उत्तीर्ण माना जायेगा।

शैक्षणिक स्टाफ –

क्र. सं.	विषय विभाग	आचार्य	सह आचार्य	प्राध्यापक
1	दर्शन, संहिता, सिद्धान्त (संस्कृत-शिक्षा) a) प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन b) योग के आधारभूत सिद्वांत c) संस्कृत d) योग दर्शन	**1**	**1**	**1 + 1**
2	शरीर रचना / क्रिया शरीर/ जैव रासायनिक विज्ञान	**1**	**1**	**1**
			1	**1+1**
3	रोग एवं विकृति विज्ञान/ Microbiology /Clinical diagnosis/ forensic medicine and toxicology	**1**	**1**	**1+1**
4	सामुदायिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा /एवं आहार द्रव्य गुण विज्ञान/उपवास चिकित्सा पोषण एवं पथ्य विज्ञान	**1**	**1**	**1+1 द्रव्यगुण**
5	योग विज्ञान एवं मनोविज्ञान a) Yoga and its application. b) Yoga therapy c) Hospital management.	**1**	**1**	**1+1**
6	प्राकृतिक विज्ञान a) वर्ण एवं चुम्बक चिकित्सा b) मेनुपुलेटिव थैरेपी c) एंक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं रिफलेक्सोलाजी d) फिजीकल मेडीसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन e) जल एवं मृदा चिकित्सा f) प्रसूति एवं स्त्री रोग चिकित्सा g) व्यवहारिक प्राकृतिक चिकित्सा	**1**	**1**	**1+1**